विज्ञान प्रसार- इंडियन साइंस न्यूज एंड फीचर्स सर्विस

देश के विकास में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का योगदान

संकलन : नवनीत कुमार गुप्ता

राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस के दूसरे दिन के कार्यक्रम के दो विशिष्ट आकर्षण थे। जिनमें से एक था महिला विज्ञान कांग्रेस का शुभारंभ जो आंध्रप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री चंद्रबाबू नायडू द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि अगर आंध्रप्रदेश का कोई वैज्ञानिक नोबल पुरस्कार प्राप्त करता है तो राज्य सरकार उसे 100 करोड़ रुपए की राशि से पुरस्कृत करेगी।

दूसरा आयोजन था बाल विज्ञान कांग्रेस जो पद्यमावती कॉलेज में आयोजित किया गया जहां पूरे देश से बाल वैज्ञानिक एकत्र हुए थे। बाल विज्ञान कांग्रेस का उद्घाटन भी आंध्रप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री चंद्रबाबू नायडू द्वारा किया गया। इस अवसर पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री श्री वाय एस चौधरी भी उपस्थित थे। बाल विज्ञान कांग्रेस में नोबल विजेता प्रोफेसर तकाकी काजिता (Prof Takaaki Kajita) ने न्यूट्रिनो दोलन (Neutrino Oscillations) पर

अपना व्याख्यान दिया।

मुख्य आयोजन स्थल पर प्रसिद्ध नोबल विजेता प्रो. जीन तिरोले का व्याख्यान हुआ। जिन्होंने वैश्विक परिदृश्य में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के महत्व पर प्रकाश डाला।

महिला विज्ञान कांग्रेस में विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी अधिक से अधिक करने पर चर्चा की गयी ताकि समग्र देश के विकास में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाया जा सके। इस अवसर पर अनेक महिला वैज्ञानिक उपस्थित थी जिन्होंने अपने कार्यों से विज्ञान के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान बनायी है।

दूसरे दिन विभिन्न विशिष्ट सत्रों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की विभिन्न विधाओं में प्रसिद्ध वैज्ञानिकों, शिक्षाविद्दों नीतिनिर्माताओं एवं प्रौद्योगिकीविदों ने व्याख्यान दिए। एक सत्र उद्योग और एकेडेमिया विषय पर था जिसमें शामिल प्रतिभागियों में इस बात पर विशेष ध्यान दिया कि आज की आवश्यकता के अनुसार देश के विकास में किस प्रकार से एकेडेमिया और उद्योग के मध्य के संबंध को ओर अधिक प्रभावी बनाया जाए।

इसी दिन आयोजित अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के सत्र में भारत द्वारा अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में प्राप्त उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के महत्व पर चर्चा की गयी। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोगों के माध्यम से संचार से लेकर मौसम पूर्वानुमान तक विभिन्न क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन आया। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग कृषि से लेकर रक्षा मामलों तक में किया जा रहा है। भविष्य में अंतरिक्ष विज्ञान के अनुप्रयोग बहुत तेजी से देश के विकास में अपना योगदान देंगे।

दूसरे दिन आयोजित एक ओर आकर्षित सत्र "भावी नेटवर्क एवं आपदा प्रबंधन" (Next Generation Network & Disaster Management) से संबंधित था। जिसमें

विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोगों पर चर्चा की गयी।

इसके अगले सत्र में मिथेनाल अर्थव्यवस्था (Methanol Economy) पर था जिसमें ऊर्जा आपूर्ति में मिथेनाल ईंधन की भूमिका पर प्रकाश डाला गया।

सामाजिक अनुप्रयोगों के लिए प्रौद्योगिकी आधारित नवाचार के लिए विज्ञान नीति पर भी एक सत्र का आयोजन किया गया था जिसमें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के पूर्व महानिदेशक डा. एस. अयप्पन सहित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली के प्रोफेसर अम्बुज सागर आदि अनेक विशेषज्ञों ने विज्ञान के द्वारा देश के विकास के लिए विज्ञान के क्षेत्र में किए जाने वाले प्रयासों की बात कही।

इस सत्र में विज्ञान के माध्यम से कृषि क्षेत्र में असीम संभावनाओं पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर राज्य विश्वविद्यालयों को भी शोध कार्यों के लिए अधिक अनुदान प्रदान करने की बात कही गयी। इसके लिए स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के उपयोग द्वारा सुदूर क्षेत्रों में उपस्थित रोगियों को भी विशेषज्ञ चिकित्सक की सुविधाएं मुहैया कराने संबंधी प्रयासों की चर्चा हुई।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस का एक ओर आकर्षक सत्र था पड़ोसी देशों और अफ्रीकन देशों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी (S&T in neighbourhood, Extended neighbourhood & African Countries)। इस अवसर पर रूस से आए श्री अलेजेंडर यूसोलेत्सेव ने कहा कि हमारे उद्देश्य है कि प्रभावी बौद्धिक कौशल का अनुप्रयोग रूस के साथ ही विश्व भर में हो। जापान से आए युजी नेशिकावा ने कहा कि जापान और भारत के मध्य प्रभावी संचार के लिए युवा पीढ़ी का आवागमन महत्वपूर्ण साबित होगा। मोजाम्बिका से आयी लूलांडा एनर्स्टेटो यूमुस्से ने कहा कि देश की विकास योजनाओं में विश्वविद्यालयों को परामर्शदाता की भूमिका निभानी होगी। तभी देश

समग्र विकास के रास्ते पर बढ़ जाएगा। इसके अलावा अन्य देशों से आए वैज्ञानिकों ने समाज और विज्ञान के अंतःसंबंधों पर प्रकाश डालते हूए देश की विकास में प्रौद्योगिकी की आवश्यकता पर चर्चा की।

दूसरे दिन बांग्ला देश से आए नोबल पुरस्कार विजता प्रो. एम. युनुस ने ग्रामीण बैंक की अवधारणा पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि हमनें बिना किसी गारंटी के महिलाओं को लोन देना आरंभ किया। उन्हें छोटी-छोटी बचत करने के लिए प्रेरित किया कुछ ही सालों के बाद परिवर्तन नजर आया। आज बैंक के पास काफी रकम है जो लोन देने के पास भी अधिक रहती है। इसी प्रकार बैंक ने आगे चलकर यह भी सुनिश्चित किया कि जिन महिलाओं का बैंक में खाता है उनके बच्चों को शिक्षा के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही शिक्षा प्राप्त कर चुके युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया जाए जिसके लिए उन्हें लोन भी दिया जाता है। प्रो. युनुस ने कहा कि आज विश्व के सामने समस्या है कि संसाधन का बहुत बड़ा हिस्सा बहुत सीमित लोगों के पास है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों के विकास में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका का उल्लेख भी किया।

04.01.2017